हिमाचल प्रदेश में "मुख्यमन्त्री खेत सरंक्षण योजना" के अन्तर्गत नवीनतम तकनीकी प्रसार का सफल वृतान्त।

1. सौलर बाढ़बन्दी ने बदली तकदीर

किसान का नाम : श्री गुरबक्स सिंह, सुपुत्र श्री तरसेम लाल

पता : गांव धमांदरी

दूरभाष न0 : 9805757889

संसाधन उपलब्ध : पशु, टयूब वैल, ट्रैक्टर, पोटेटो पलाटंर, सीड ड्रिल, डिस्क।

प्रासंगिकताः जिला ऊना समुद्र तल से 350 से 950 मीटर की उंचाई पर स्थित है। जिले की 85 प्रतिषत जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि व सम्बद्ध गतिविधियां हैं। जिला में चार कृषि पारिस्थितिकियां हैं।

- **स्वां बेलाः** यह 360 से 400 मीटर की उंचाई पर स्थित है। इस क्षेत्र में नलकूप प्रवाह व कुऐं सिंचाई के मुख्य स्त्रोत हैं। सब्जियां और अनाज इस क्षेत्र की मुख्य फसलें हैं।
- **स्वां हारः** यह 400 से 450 मीटर की उंचाई पर स्थित है। यहां पर आंषिक रूप से सिंचाई उपलब्ध है। यहां की मुख्य फसलें अनाज, सब्जियां व फल है।
- **बीट क्षेत्रः** यह 450 से 500 मीटर की उंचाई पर स्थित है। यहां पर अपर्याप्त सिंचाई सुविधा है। अनाज सब्जियां, फल और गन्ना यहां की मुख्य फसलें हैं।
- **मध्य पर्वतः** यह 450 से 900 मीटर की उंचाई पर स्थित है। अनाज, दालें व फल यहां की मुख्य फसलें हैं। यहां पर बहुत ही कम क्षेत्र में सिंचाई उपलब्ध है।

पृष्ठभूमिः

यह एक ऐसे नौजवान की कहानी है जो बचपन से ही अपने माता पिता के साथ मिलकर परम्परागत खेती कर रहा था। हम बात कर रहें हैं श्री गुरबक्स सिंह, सुपुत्र श्री तरसेम लाल जो ऊना जिले के गांव धमांदरी के रहने वाले हैं। इनके पास 70 कनाल भूमि खेती योग्य है। श्री गुरबक्स सिंह अपने संयुक्त परिवार में दो भाई मां बाप व दो बच्चों के साथ रहते हैं। यह परम्परागत खेती कर रहे थे जिन्हें जंगली जानवरों से भारी नुकसान हो रहा था। उनको रात रात भर

जागकर पहरा देना पड़ता था। ऐसे में कृषि विभाग, ऊना गुरबक्स सिंह व उसके परिवार के लिये सहारा बनकर सामने आया। विभाग द्वारा बताया गया कि अगर वे सौलर **बाढ़बन्दी** करवाकर उसमें फसलें पैदा करें तो उसको न केवल अधिक मुनाफा मिलेगा बल्कि जंगली जानवरों से फसल की रखवाली भी कम क्षेत्र के लिये करनी पडेंगी। सरकार द्वारा वर्ष 2016–17 से "मुख्यमन्त्री खेत सरंक्षण योजना" शुरू की गई है। जिसके अन्तर्गत सौलर **बाढ़बन्दी** निर्माण पर 80 व सामुहिक स्तर पर 85 प्रतिशत उपदान उपलब्ध है। इस योजना से गुरबक्स सिंह को अधिक आय कमाने के सपने पूरे होते दिखाई देने लगे तथा उसमें सौलर **बाढ़बन्दी** लगाने का निष्चय कर लिया। इस नवयुवक ने इसके लिये गांव के 46 किसानों के साथ सामुहिक सौलर **बाढ़बन्दी** के लिए आवेदन किया तथा विभाग से विचार विमर्ष के बाद 2018–19 में 970 कनाल कृषि भूमि में विभाग द्वारा सूचिबध औसन कम्पनी से **बाढ़बन्दी** करवाई। जिसका कुल परिमाप 2341 मीटर बनता है। इस पर कुल लागत 21,05,367 रूपये आई। उन्हें कृषि विभाग से योजना के तहत 17,89,561 रूपये 85 प्रतिशत उपदान के रूप में प्राप्त हुये। गुरबक्स सिंह व उसके साथ के किसानों का अपना खर्चा केवल 3,15,805 रूपये आया जो कि योजना का 15 प्रतिषत बनता है। इस जमीन में गुरबक्स सिंह व उसके साथ के किसानों द्वारा गेहूं मक्की, आलू व सब्जियां की फसल बोई जाती है। उनके पास सिंचाई के लिए टयूब वैल है । इस तरह थोडे ही समय में प्रति इकाई भूमि की उत्पादकता भी बढ़ गई।

इस की सफलता से गुरबक्स सिंह व गांव के किसान बहुत ही प्रसन्न है। इनसे उत्साहित होकर इनके साथ के दूसरे किसानों ने भी गांव में बड़े स्तर पर अपने खेतों की बाढ़बन्दी करवा ली है। आज गुरबक्स सिंह तेजी से स्वरोजगार की बोर बढ़ रहें हैं। कृषि के साथ साथ गुरबक्स सिंह ने पशु पालन को भी आय का साधन बना रखा है। उन्होंने मुर्रा प्रजाति की 4 भैंसे व 2 साहीवाल नस्ल की गाय पाल रखी है जिससे उन्हें 30 से 40 लीटर दूध रोजाना मिल रहा है जिन्हें 50 रू0 प्रति लीटर के हिसाब से बाजार में बेचता है। इससे वह सभी खर्चे निकालकर 15,000 से 20,000 रूपये प्रति माह कमा रहा है। गुरबक्स सिंह आज बेरोजगार युवकों के लिये प्रेरणा स्त्रोत बन गया है। आशा है कि इससे सीख लेकर दूसरे किसान भी प्रेरित होंगे व इस तकनीक को अपनाकर बेरोजगारी को दूर करेंगे।